सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 238 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 8 अक्टूबर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

एक मिशन का निर्माण करना और एक बिजनेस का निर्माण करना साथ-साथ चलता है।

-मार्क जुकरबर्ग

तेजस्वी बन सकते हैं आरजेडी के... 8 | भाजपा को घेरने के लिए आम आदमी... 3 | जमीन के बदले नौकरी घोटाले में... 7

अब नई वर्दी में नजर आएंगे वायुसेना के जांबाज

» वायुसेना दिवस पर एयरफोर्स चीफ ने किया लॉन्च, हेलीकॉप्टरों ने किया फ्लाई पास्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हथियार प्रणाली शाखा होगी गठित

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना की 90वीं वर्षगांठ के मौके पर चंडीगढ़ स्थित वायुसेना स्टेशन (सुखना लेक) में पूरी दुनिया को भारत की आसमानी ताकत का एहसास कराया गया। इस खास मौके पर इंडियन एयरफोर्स के जवानों के लिए एक नई लड़ाकू वर्दी भी लॉन्च की गई है। नयी हथियार प्रणाली शाखा के गठन का भी ऐलान किया गया। वायुसेना प्रमुख वी आर चौधरी ने कहा कि हम कर्मियों के लिए नए पैटर्न की लड़ाकू वर्दी पेश कर रहे हैं। समाचार एजेंसी एएनआई ने इसकी तस्वीर जारी की है, जिसमें इंडियन एयरफोर्स के जवानों को नई कॉम्बैट वर्दी में देखा जा सकता है। अब से वायुसेना के जवान किसी भी ऑपरेशन के दौरान इसी वर्दी को पहनते दिखेंगे। यह न केवल हल्की है बल्कि बर्फ और पहाड़ से लेकर रेगिस्तान में दुश्मनों की नजरों को धोखा देने वाली है। यह आरामदायक और सभी मौसमों के अनुकूल है। वर्दी पूरी तरह से मेड इन इंडिया है। इस दौरान चंडीगढ़ स्थित वायुसेना स्टेशन में औपचारिक परेड का आयोजन किया गया। एअर चीफ मार्शल वी आर चौधरी ने परेड का निरीक्षण किया, जिसके बाद मार्च-पास्ट किया गया। चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार ने भारतीय वायुसेना में अधिकारियों के लिए एक हथियार प्रणाली शाखा की स्थापना को मंजूरी दी है। आजादी के बाद वायुसेना में पहली बार एक नयी अभियानगत शाखा बनाई जा रही है। वायुसेना प्रमुख जब आयोजन स्थल पर पहुंचे तो विंग कमांडर विशाल जैन के नेतृत्व में तीन एमआई-17वी5 हेलीकॉप्टरों ने फ्लाई-पास्ट करते हुए भारतीय ध्वज प्रदर्शित किया। यह पहली बार है, जब वायुसेना ने दिल्ली-एनसीआर के बाहर अपनी वार्षिक वायुसेना दिवस परेड और फ्लाई-पास्ट का आयोजन किया है।

इंसेफेलाइटिस पर लगी लगाम, बेहतर स्वास्थ्य सेवा के लिए सरकार प्रतिबद्ध : योगी

» चार-पांच वर्षों के प्रयत्नों के बाद हालात में हुए सुधार

» पहले लक्षण के आधार पर किया जाता था इलाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित आरोग्य भारती के कार्यक्रम में कहा कि हमारी सरकार जनता के बेहतर स्वास्थ्य के लिए पूरी तरह समर्पित है। यही कारण है कि इंसेफेलाइटिस से जहां बीते 40 साल में 50 हजार से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। वहीं, चार से पांच वर्षों के प्रयास के बाद प्रदेश में यह बीमारी समाप्ति की ओर है और मौतों की संख्या अब लगभग जीरो हो गई है।

उन्होंने कहा कि पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस से हजारों बच्चों की मौतें होती थीं लेकिन इस दिशा में कोई काम नहीं किया गया। इसकी सोच नहीं थी। लक्षण के आधार पर इलाज होता था। 2017 में जब भाजपा की सरकार बनी तो हमने इस दिशा में काम शुरू किया और चार पांच वर्षों के प्रयास के बाद प्रदेश में इस बीमारी पर नियंत्रण लगा है। बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सरकार जिलों में मेडिकल कॉलेज खोल रही है। स्वस्थ्य समाज के निर्माण के लिए जागरूकता जरूरी है। आरोग्य भारती भी इस दिशा में बहुत कुछ कर सकती है। सरकार प्राकृतिक खेती से लोगों को जोड़ रही है। इसके अच्छे परिणाम आ रहे हैं। आरोग्य भारती के कार्यकर्ता और चिकित्सक बिना भेदभाव के सदी की सबसे बड़ी महामारी कोरोना के कालखंड में पूर्ण सेवा भाव के साथ राहत-बचाव व जन-जागरण कार्य में जुटे रहे। कोरोना कालखंड में संगठन के इन कार्यों को हम सभी ने महसूस किया है।

मिशन निरामया अभियान शुरू

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के नर्सिग एवं पैरामेडिकल छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण प्लेसमेंट दिलाने, कैरियर काउंसिलिंग, आकांक्षी कैरियर बनाने के उद्देश्य से मिशन निरामया अभियान का शुभारंभ आज एसजीपीजीआई के कन्वेंशन सेंटर में किया। इस मौके पर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक भी मौजूद रहे। सीएम योगी ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत प्राचीन काल में काफी आगे रहा लेकिन हम इसमें पिछड़ गए क्योंकि हमने समय के अनुरूप काम नहीं किया। मिशन निरामया स्वास्थ्य क्षेत्र में यूपी और देश को आगे बढ़ाएगा।

विधान सभा उपचुनाव : भाजपा ने अमन गिरी को बनाया प्रत्याशी

» हरियाणा और तेलंगाना की एक-एक सीट पर भी उम्मीदवार घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा ने गोला गोकर्णनाथ विधान सभा उपचुनाव में पूर्व विधायक स्वर्गीय अरविंद गिरी के बेटे अमन गिरी को उम्मीदवार घोषित किया है। उप चुनाव के लिए तीन नवंबर को मतदान होगा। वहीं सपा ने विनय तिवारी को उम्मीदवार बनाया है। इसकी अधिकृत घोषणा कर दी गई है। 2012 में परिसीमन के बाद बनी 139 गोला विधान सभा सीट पर सपा ने विनय को उम्मीदवार बनाया था। इस नई विधान सभा की पहली जीत विनय ने सपा की झोली में डाली। 2017 में सपा ने फिर से भरोसा जताया मगर भाजपा के अरविंद गिरी जीत गए। 2022 के विधान सभा चुनाव में जीत फिर से भाजपा के पाले में चली गई और भाजपा उम्मीदवार अरविंद गिरी से 29,294 के अंतर से विनय चुनाव हार गए। वहीं हरियाणा की आदमपुर विधान सभा सीट से भाजपा ने पूर्व विधायक कुलदीप बिश्नोई के पुत्र भव्य बिश्नोई को मैदान में उतारा है। तेलंगाना के मुनुगोड़े सीट से कोमातिरेड्डी रोजगोपाल रेड्डी को भाजपा ने अपना उम्मीदवार बनाया है।

नीतीश का खुलासा जदयू का कांग्रेस में विलय कराना चाहते थे पीके

» बिहार के सीएम ने प्रशांत किशोर पर साधा निशाना

» भाजपा के लिए काम कर रहे हैं पीके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर जदयू का कांग्रेस में विलय कराना चाहते थे। इसके साथ ही प्रशांत किशोर के उत्तराधिकारी वाले दावे पर कहा कि यह झूठ है। उन्हें जो कुछ भी बोलना है, बोलें। हमें इससे कोई लेना-देना नहीं है।

नीतीश कुमार से जब पूछा गया कि प्रशांत किशोर ने कहा कि उन्हें पद का ऑफर दिया गया था। इस पर नीतीश ने कहा कि यह पूरी तरह गलत है। मैंने कोई ऑफर नहीं दिया। वे मेरे साथ रहते थे, मेरे घर पर रहते थे। अब जिसको जहां जाना है, जाएगा। नीतीश ने कहा कि बताइए ये बात कोई बोलता है। एक दिन मुझसे आकर कह रहे थे कि अपनी पार्टी को कांग्रेस में मर्ज कर दीजिए। हमने कहा कि हम भला कांग्रेस में क्यों मर्ज करेंगे। ये आज से करीब 4-5 साल पहले की बात है इसलिए उनका कोई ठिकाना नहीं है। हमने उनको नहीं बुलाया था, वे खुद ही हमसे मिलने आए थे और क्या-क्या बात हुई थी हमारे बीच, इस पर हम कुछ नहीं बोलेंगे। उनको बोलने दीजिए जो कुछ बोलना है। उनकी राजनीति से क्या मतलब है। नीतीश ने कहा कि जब वे आरजेडी और जेडीयू का विरोध कर रहे हैं तो इसका मतलब यही हुआ कि वे भाजपा के लिए काम कर रहे हैं। बीते 5 अक्टूबर को अपनी जनसुराज यात्रा के दौरान प्रशांत किशोर ने दावा किया था कि नीतीश ने उन्हें अपने घर बुलाया था। पीके ने कहा था कि नीतीश ने कहा था कि आप हमारे उत्तराधिकारी हैं, यह सब क्यों कर रहे हैं। आइए हमारे साथ, हमारे पार्टी के नेता बन जाइए।

गांव से निकलने वाले खिलाड़ियों को देंगे अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं : योगी

» अब हर गांव में होगा ओपन एयर जिम और खेल मैदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अब हर गांव में खेल के मैदान संग ओपेन एयर जिम होगा। इतना ही नहीं, गांवों से निकलने वाले खिलाड़ियों को उनके आसपास ही अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं मिलेंगी। अमिताभ बच्चन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित खेल महोत्सव के समापन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मनरेगा, जिला पंचायती राज, युवा एवं खेल विभाग समेत अन्य विभागों के सहयोग से हर गांव में ओपन एयर जिम बनाए जाएंगे। इसमें पीपीपी मॉडल के तहत लोगों की भी मदद ली जाएगी।

देश और प्रदेश के लिए पदक जीतने का सपना देखने वाले खिलाड़ियों को इससे मजबूत आधार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पैसे की कोई कमी नहीं है। जरूरत है सुनियोजित निवेश की। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि खूब खेलें, आपकी उड़ान में किसी तरह की बाधा नहीं आएगी। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने बताया कि हर जिले में मिनी स्टेडियम और स्टेडियम बनाए जा रहे हैं। निजी खेल एकेडमी को भी सरकार की ओर से मदद दिए जाने के लिए

कहा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय खेल उपेक्षित हुआ करता था लेकिन आज हमारे खिलाड़ी ऊंचाइयों को छू रहे हैं। वैश्विक स्तर पर किसी देश की पहचान बनती है और हमारे खिलाड़ी उस पहचान

पाठक ने प्रदेश सरकार की योजनाओं पर डाला प्रकाश

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, उद्योग मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डाला। खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरिश चंद्र यादव ने अतिथियों का स्वागत किया। अपर मुख्य सचिव खेल नवनीत सहगल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन आर्य कन्या डिग्री कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रंजना त्रिपाठी ने किया। कॉमनवेल्थ गेम्स के पदक विजेताओं तथा प्रतिभाग करने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों को सरकार की ओर से सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ओलंपिक के पदक विजेताओं तथा उसमें हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को पहली बार सम्मानित किया गया। इसी तरह से कॉमनवेल्थ गेम्स के खिलाड़ियों के सम्मान में भी जल्द आयोजन होगा।

को स्थापित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए खिलाड़ियों से एकलव्य की तरह एकाग्र होकर और टीम भावना के साथ आगे बढ़ने की अपील की। इससे पहले मुख्यमंत्री ने अमिताभ बच्चन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले चार खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश विक्रम नाथ ने यहां से निकलने वाले खिलाड़ियों का जिक्र करने के साथ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के विस्तार की बात कही।

युवाओं के भविष्य के साथ खेल रही योगी सरकार : वंशराज

» पीईटी परीक्षा को लेकर वंशराज दुबे ने भाजपा पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी कार्यालय लखनऊ में छात्र युवा संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष वंशराज दुबे ने कहा कि इसी महीने की 15 तारीख से प्रारंभिक पात्रता परीक्षा की शुरुआत हो रही है। उन्होंने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश सरकार लगातार छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करती चली आ रही है। उन्होंने कहा पीईटी का एग्जाम उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने तय किया है लेकिन उसके परीक्षा केंद्रों की दूरी देखकर विश्वास नहीं होता कि सरकार युवाओं का भला चाहती है। केंद्रों की दूरी बताती है कि परीक्षार्थियों के लिए कितनी मुश्किलें पैदा हो जाएंगी।

वंश राज दुबे ने कहा पिछले 5 वर्षों में यही उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग पूर्ण रूप से निठल्ला साबित हुआ है। क्योंकि केवल डेढ़ दर्जन नौकरियां निकाली और उनमें भी परीक्षार्थी कहीं कोर्ट का चक्कर लगा रहे हैं तो किसी को जॉइनिंग नहीं दी गई, इस तरह के मामले प्रकाश में आ चुके हैं। वंश राज दुबे ने कहा कि पीईटी की परीक्षा एक ऐसी परीक्षा है जिसको पास करने के बाद सरकार जब नौकरियां निकालेंगे तब यही छात्र आवेदन कर सकते हैं। इस पहली सीढ़ी को ही उत्तर प्रदेश सरकार ने इतना कठिन बना दिया है कि जिस में छात्र और उसके परिजन दोनों परेशान भी होंगे और उन्हें हासिल भी कुछ नहीं होगा।

मत्स्य संपदा योजना का लाभ लें निषाद समाज : संजय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मत्स्य विभाग के मंत्री संजय निषाद ने रायबरेली जिले का दौरान किया। डलमऊ गंगा घाट पर सरकार की विभिन्न योजनाओं का बखान करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना से मत्स्य पालकों को लाभ मिलेगा। निषाद समाज को ध्यान में रखकर ये योजना बनाई गई है। समाज के लोग इसका लाभ लें। शिवाला घाट पर रिवर रैंचिंग कार्क्रम में कैबिनेट मंत्री ने गंगा की बहती जलधारा में मोटर बोट से लगभग एक लाख विभिन्न प्रजातियों की मछलियों को छोड़ा।

उन्होंने कहा कि जलधारा में छोड़े गए इन मछली के बच्चों के बड़े होने पर मत्स्य पालकों को लाभ मिलेगा। मंत्री ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना की जानकारी दी और मछली पालकों से इसका लाभ लेने को कहा। उन्होंने सपा बसपा व कांग्रेस पर निशाना साधते

हुए कहा कि सभी लोग एकजुट होकर जिस तरह से 2022 में सरकार बनाया है उसी प्रकार 2024 में एकजुट होकर फिर से सरकार बनाएं। मंत्री ने कहा कि निषाद, केवट, मछुआरे के लिए सरकार डेढ़ लाख रुपए क्रेडिट कार्ड योजना लाई है। इसके अलावा कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद का डलमऊ के अलावा लालगंज चौराहे पर कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया।

राजभर को लेकर भाजपा के नेता एकमत नहीं

» कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर बोले-जगह नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर बेहद चर्चा में बने रहते हैं। योगी सरकार के पहले कार्यकाल में कैबिनेट मंत्री रहे राजभर ने इस्तीफा दिया और फिर विधानसभा चुनाव 2022 में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन कर छह सीट जीतीं। अब फिर से भाजपा के करीब आने के प्रयास में लगे हैं। राजभर को लेकर भारतीय जनता के नेता ही एकमत नहीं हैं। बलिया में ओम प्रकाश राजभर को जहां प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने भाजपा का स्थाई मित्र बताया था।

वहीं श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर उनको भरोसा करने लायक ही नहीं मानते हैं। योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने ओम प्रकाश राजभर को लेकर कहा कि उनके लिए भारतीय जनता पार्टी में अब कोई जगह ही नहीं है। अनिल राजभर

ने कहा कि 2017 में भाजपा की मदद से पांच सीट जीतने वाले ओम प्रकाश 2022 में समाजवादी पार्टी के साथ हो गए। ऐसे लोगों पर भरोसा करना ठीक नहीं है। वह भाजपा में आने लायक नहीं है, उनके लिए भाजपा में तो जगह ही नहीं है। अनिल राजभर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ओम प्रकाश राजभर के लिए भाजपा में कोई वेकेंसी नहीं है। मऊ में एक कार्यक्रम के बाद प्रदेश मंत्री अनिल राजभर ने कहा है कि सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के लिए भाजपा में कोई जगह नहीं है। बलिया में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के साथ मंच पर ओपी राजभर के मौजूद रहने पर अनिल राजभर ने कहा कि उनका मंच पर पहुंचना पार्टी के कार्यक्रम का हिस्सा नहीं था। वह अपनी मर्जी से मंच पर पहुंचे थे। अनिल राजभर ने कहा कि ओम प्रकाश राजभर में अपनी क्षमता से कुछ भी करने की ताकत नहीं है। उनको तो हमेशा ही बैसाखी की जरूरत पड़ी। 2017 में भाजपा की मदद से पांच सीट जीते तो 2022 में समाजवादी पार्टी की मदद से छह सीट जीते हैं। ओमप्रकाश राजभर को हमेशा एक बैसाखी की आवश्यकता होती है। इसके लिए वे किसी न किसी पार्टी की तलाश करते रहते हैं। वह अकेले कुछ नहीं कर सकते इसलिए कभी सपा तो कभी भाजपा के साथ जुड़ते हैं।

टूरिज्म में गोवा को पछाड़ काशी ने जमाई धाक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। काशी विश्वनाथ धाम और तेजी से विकसित हो रही सुविधाओं की वजह से देश और दुनिया के सैलानियों की पहली पसंद बनारस बन रहा है। यही कारण है कि समुद्र की लहरों के लिए ख्यात गोवा को भी बनारस ने काफी पीछे छोड़ दिया है। ये हम नहीं बल्कि आंकड़े इस बात को दर्शाते हैं। गोवा पर्यटन विभाग के जीएम लक्ष्मीकांत वैनागर के मुताबिक वर्ष 2021-22 में गोवा में साढ़े तीन करोड़ के करीब पर्यटक पहुंचे। यूपी टूरिज्म के मुताबिक, काशी में करीब साढ़े 10 करोड़ से अधिक सैलानी व श्रद्धालुओं का आगमन हुआ। सिर्फ काशी विश्वनाथ धाम में साढ़े आठ करोड़ पर्यटक मत्था टेक चुके हैं। वाराणसी में तेजी से बढ़ रही पर्यटकों की संख्या को देख गोवा के पर्यटन विभाग ने यहां एक सप्ताह तक कार्यशाला कर टूरिस्ट ऑपरेटर्स को रिझाने की कोशिश भी की। काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण ने धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाई दी है। टूरिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष राहुल मेहता का कहना है कि गोवा टूरिज्म फ्यूजन टूरिज्म के भरोसे है, जबकि काशी संस्कृति और आध्यात्मिक शहर है। यहां बढ़ी सुविधाओं और काशी विश्वनाथ धाम ने पर्यटकों को और रिझाया है।

भाजपा को घेरने के लिए आम आदमी पार्टी और रालोद ने बनाई रणनीति

» सड़क से संसद तक किसानों की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार जयंत

» किसानों की लड़ाई में आम आदमी पार्टी भी भाकियू के साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। क्योंकि आम आदमी पार्टी और रालोद ने बीजेपी के घेरने के लिए खास रणनीति बनाई है। 24 को ध्यान में रखते हुए इन दोनों पार्टियों ने भाजपा पर हमला तेज कर दिया है। साथ ही किसानों के जरिए अपना हित भी साध रही हैं। दोनों दलों के यूपी मुखिया जानते हैं कि किसान आंदोलन से भाजपा की हार हुई है। ऐसे में किसानों के साथ खड़े होकर ही 2024 में भाजपा को पटखनी दी जा सकती है।

रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने एक रैली में स्पष्ट संकेत दिए। उन्होंने कहा कि वह किसानों के हक की लड़ाई सड़क से लेकर संसद तक लड़ेंगे। कहा कि स्व. महेंद्र सिंह टिकैत और चौ. चरण सिंह ने किसानों के अधिकारों के लिए संघर्ष कर जो रास्ता उन सभी को दिखाया वह उसका अनुसरण करते रहेंगे। वहीं आप नेता संजय सिंह ने कहा कि किसानों के लिए लड़ी जाने वाली लड़ाई में आम आदमी पार्टी कंधे से कंधा मिलाकर भाकियू के साथ चलेगी। मुजफ्फरनगर में रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने कहा कि किसान मसीहा महेंद्र सिंह टिकैत आज भी सभी की प्रेरणा बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों के हक में किये गए उनके संघर्षों से प्रत्येक किसान ऊर्जा ले रहा है। रालोद नेता ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस सरकार की कथनी और करनी में अंतर है। जयंत चौधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने त्योहारों के बीच जनता को बड़ा उपहार दिया है। कृषि कार्य, माल ढोने वाले वाहनों में सवारी बैठाने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवारी बिठाने पर कार्रवाई के निर्देश दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि एडीजी ट्रैफिक ने सभी जिलों की यातायात पुलिस को नियम उल्लंघन करने पर 10 हजार रुपए का चालान करने, वाहन सीज करने के निर्देश दे दिए हैं। जयंत चौधरी ने गांव सावटू में 40 बीघा भूमि पर स्पोर्ट्स स्टेडियम बनवाने की घोषणा की। जयंत चौधरी ने कहा कि जिस दौर में सत्ताधारी अपने कथन पर कायम नहीं रहते उसी दौर में हमें महेंद्र सिंह टिकैत और चौ. चरण सिंह के किसानों के हित में किये गए संघर्षों को याद कर आगे बढ़ना होगा।

ट्रैक्टर पर पाबंदी का फैसला गलत : जयंत

रालोद अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद चौधरी जयंत सिंह ने कहा कि ट्रैक्टर पर पाबंदी का फैसला गलत है। सरकार किसान विरोधी कार्य कर रही है। सरकार झूठ बोलने का काम कर रही है। किसानों के फसलों के दाम की कोई योजना की मंशा सरकार के पास नहीं है। अग्निवीर भर्ती योजना का विरोध करते हुए कहा कि सरकार ने युवाओं का सपना तोड़ दिया।

किसानों के हक की लड़ाई में मैं भी उनके साथ : संजय सिंह

सिसौली के किसान भवन में भाकियू के दिवंगत अध्यक्ष चौ. महेंद्र सिंह टिकैत की 87वीं जयंती में पहुंचे आप नेता संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी प्रत्येक वर्ग के हक की लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने कहा कि महेंद्र सिंह टिकैत ने किसानों के हक में जो आवाज बुलंद की उसकी गूंज आज तक सुनी जा सकती है। उन्होंने कहा कि किसानों का हक मारकर चंद कंपनियों को अनुचित लाभ पहुंचाने का कुचक्र रचा जा रहा है लेकिन उसको किसी भी सूरत में पूरा नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने भाकियू अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत को आश्वस्त किया कि वह उनके कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ेंगे। आम आदमी पार्टी किसानों के अधिकारों की लड़ाई में उनके साथ खड़ी है।

लखनऊ में महापंचायत करने की तारीख तय

भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत ने कहा कि किसानों पर फर्जी मुकदमे दर्ज किए गए हैं। शामली में 17 अक्टूबर को किसान ट्रैक्टर यात्रा निकाली जाएगी। 26 नवंबर को लखनऊ में किसान पंचायत करेंगे। हादसे के बाद अगर किसान के ट्रैक्टर पर रोक लगाई गई है तो बस, ट्रेन और हवाई जहाज पर भी रोक लगाई जानी चाहिए। इसके अलावा भाकियू प्रवक्ता ने कहा कि किसान का ट्रैक्टर अफगानिस्तान का टैंक नहीं है। भाकियू अध्यक्ष ने कहा कि किसानों को अपना हक पाने के लिए एकजुट होना पड़ेगा। भाकियू प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि सरकार ने किसानों के ट्रैक्टर पर पाबंदी लगाकर किसान आंदोलन को षड्यंत्र के तहत तोड़ने का प्रयास किया है। किसान रैली में ट्रैक्टर लेकर जाएंगे। सरकार आंदोलन को दबाने का प्रयास कर रही है। 26 जनवरी 2021 में शामली से किसान रैली में गए थे, उन किसानों के कोर्ट से नोटिस मिला है। ट्रैक्टर चलाना कोई अपराध नहीं है। 17 तारीख को शामली में धरना होगा, सभी किसान ट्रैक्टर से ही पहुंचेंगे।

गुजरात चुनाव में यूपी बीजेपी के दिग्गज भी करेंगे किलेबंदी, सीएम योगी बनाएंगे माहौल

» उत्तर भारतीय बहुल इलाकों में भेजे जाएंगे पदाधिकारी और कार्यकर्ता

» एक प्रभारी और दो सह-प्रभारियों को किया गया नियुक्त, चुनाव प्रबंधन पर रखेंगे नजर

गीताश्री

लखनऊ। गुजरात विधान सभा चुनाव में भाजपा कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कमान अपने हाथ में ले ली है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश भाजपा का संगठन भी सक्रिय हो गया है। प्रदेश भाजपा के दिग्गजों ने गुजरात चुनाव में विरोधियों को चित करने के लिए मेगा प्लान तैयार किया है। इसके तहत यहां से तेजतर्रार और दिग्गज नेताओं को चुनावी बिसात बिछाने के लिए गुजरात भेजा जाएगा। इसके अलावा सीएम योगी भी वहां भाजपा के पक्ष में चुनावी माहौल तैयार करेंगे।

गुजरात में इसी साल विधान सभा का चुनाव है लेकिन उत्तर-प्रदेश भाजपा भी इसकी तैयारियों में जुट गई है। पार्टी ने गुजरात में भाजपा की चुनावी बिसात बिछाने के लिए यूपी के 163 कार्यकर्ताओं की बड़ी टीम तैयार की है। भाजपा ने वहां की 65 विधान सभा सीटों की जिम्मेदारी यूपी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को देने का प्लान बनाया है। इसके तहत यूपी से पहले चरण में करीब डेढ़ सौ अनुभवी कार्यकर्ता और पदाधिकारी तैनात किए जाएंगे। पार्टी ने जिलों से ऐसे कार्यकर्ताओं की सूची मंगाकर उनमें सबसे योग्य कार्यकर्ताओं की सूची केंद्रीय नेतृत्व को भेज दी है। इनमें से अधिकतर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को उत्तर भारतीय बहुल वाले अगल-अलग विधानसभाओं की जिम्मेदारी सौंप दी गई है। उत्तर प्रदेश की भाजपा ईकाई ने अपनी तैयारियों को अमली जामा पहनाने के लिए प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश पाल को जिम्मेदारी दी है। उन्हें गुजरात में यूपी के कार्यकर्ताओं के लिए प्रवासी प्रभारी बनाया है जबकि प्रदेश मंत्री शंकर गिरी और अशोक मोंगा को सह-प्रभारी नियुक्त किया है। गुजरात में प्रवासियों के प्रभारी प्रकाश पाल ने कहा, मैं गुजरात जा रहा हूं। अब वही प्रवास होगा। हमारी जिम्मेदारी वहां चुनाव प्रबंधन की होगी। इसके साथ ही यूपी से मंत्री स्मृति ईरानी और साध्वी निरंजन ज्योति को भी गुजरात चुनाव में जिम्मेदारी दी गई है। सूत्रों के मुताबिक पहले चरण में कार्यकर्ताओं को गुजरात भेजा जाएगा। उसके बाद प्रदेश पदाधिकारियों, क्षेत्रीय पदाधिकारियों, प्रवक्ताओं के साथ युवा मोर्चा और महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं को भी गुजरात चुनाव में प्रचार के लिए भेजा जाएगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक भी गुजरात चुनाव के दौरान अपनी जनसभाओं से माहौल बनाएंगे।

यहां है उत्तर भारतीयों की बड़ी संख्या

महाराष्ट्र की तरह गुजरात में भी यूपी, बिहार और मध्य प्रदेश से गए उत्तर भारतीयों की बड़ी आबादी निवास करती है। इनकी अनुमानित संख्या 30 लाख से ज्यादा है। ये दक्षिण गुजरात की 25 सीटों का परिणाम तय करते हैं। भरूच, बलसाड, वापी, नवसारी, अंकलेश्वर, सूरत औद्योगिक नगरी वाले क्षेत्र हैं। भाजपा मानती है कि उत्तर-भारतीय बहुल वाले इन सीटों पर यहां के नेताओं का असर भी होगा। इससे पार्टी को दक्षिण गुजरात की 20 से 25 सीटों पर जीत हासिल करने में मदद मिलेगी, साथ ही अन्य 50 सीटों पर वह बढ़त वाली स्थिति में आ सकती है।

65 विधान सभा सीटों पर नजर

भाजपा के शीर्ष सूत्रों का दावा है कि गुजरात के 33 जिलों में से प्रत्येक में यूपी के कम से कम एक व्यक्ति को तैनात किया जाएगा जहां इस साल के अंत में चुनाव होने हैं। सूत्रों ने कहा कि यूपी इकाई को विशेष रूप से 65 विधान सभा सीटें सौंपी गई हैं, जहां दो संगठनात्मक नेता, मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष और महासचिव कार्यभार संभालेंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

खस्ताहाल सड़कों का जिम्मेदार कौन?

> सड़कों के निर्माण में न गुणवत्ता का ध्यान रखा जाता है न मानकों का पालन हो रहा है। लिहाजा नयी बनी सड़कें पहली बारिश में उखड़ जाती हैं। स्पीड ब्रेकर भी हादसों को दावत दे रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों की हालत और भी बदतर हो चुकी है। सच यह है कि भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को अपनी चपेट में ले लिया है। कर्मियों और ठेकेदारों की मिलीभगत और कमीशनखोरी के कारण दोयम दर्जे की सड़कें बनायी जा रही हैं।

सरकार के तमाम दावों के बावजूद प्रदेश की सड़कें खस्ता हाल हैं। नयी बनी सड़कें भी बारिश को नहीं झेल पा रही हैं और जगह-जगह से दरक रही हैं। उनमें गड्ढे बन गए हैं। इसका ताजा उदाहरण पिछले साल 22 हजार करोड़ रुपये से बना पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे है। इस एक्सप्रेस-वे पर सुलतानपुर के करीब पांच फीट गहरा और 15 फीट चौड़ा गड्ढा हो गया है। सवाल यह है कि प्रदेश की अधिकांश सड़कें खस्ता हाल क्यों हैं? करोड़ों खर्च करने के बाद भी सड़कों की गुणवत्ता में सुधार क्यों नहीं हो रहा है? गड्ढामुक्त सड़कों का वादा आज तक पूरा क्यों नहीं हो सका ? जर्जर सड़कों के लिए कौन जिम्मेदार है? क्या ठेकेदारों और कर्मियों की मिलीभगत से राजकोष को चूना लगाया जा रहा है? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को पंगु बना दिया है? क्या मानकों और गुणवत्ता की जांच किए बिना सड़कों को पास किया जा रहा है? क्या आम आदमी के जीवन से खिलवाड़ करने की छूट किसी को दी जा सकती है?

प्रदेश सरकार ने आज से छह साल पहले गड्ढा मुक्त सड़कों का वादा किया था लेकिन हालात बदले नहीं। लखनऊ की तमाम सड़कें खस्ताहाल हैं और उनमें गड्ढे हैं। इन गड्ढों के कारण हादसों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट गड्ढों के कारण होने वाले हादसे पर अपनी चिंता जता चुका है और इसे दुरुस्त करने के लिए राज्य सरकारों को निर्देश भी दिए थे लेकिन कोर्ट का आदेश जमीन पर उतरता नहीं दिख रहा है। सड़कों के निर्माण में न गुणवत्ता का ध्यान रखा जाता है न मानकों का पालन हो रहा है। लिहाजा नयी बनी सड़कें पहली बारिश में उखड़ जाती हैं। स्पीड ब्रेकर भी हादसों को दावत दे रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों की हालत और भी बदतर हो चुकी है। सच यह है कि भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को अपनी चपेट में ले लिया है। कर्मियों और ठेकेदारों की मिलीभगत और कमीशनखोरी के कारण दोयम दर्जे की सड़कें बनायी जा रही हैं। लिहाजा एक सड़क बनकर तैयार भी नहीं होती कि दूसरी उखड़ जाती है। इन सड़कों पर वाहनों की आवाजाही से उड़ रही धूल वातावरण के प्रदूषण स्तर को बढ़ा रही है। यह लोगों की सेहत को नुकसान पहुंचा रहा है। जब राजधानी में यह हाल है तो प्रदेश के अन्य शहरों की सड़कों का आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है। जाहिर है यदि सरकार सड़कों को गड्ढा मुक्त और गुणवत्ता युक्त बनाना चाहती है तो उसे सबसे पहले संबंधित विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार को खत्म करना होगा। साथ ही खराब गुणवत्ता वाली सड़कों का निर्माण करने वाले ठेकेदारों और एजेंसियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी होगी अन्यथा प्रदेश की सड़कों की सूरत नहीं बदलेगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जरूरी उपाय है मुफ्त राशन योजना

अजीत रानाडे

भोजन का अधिकार वैधानिक अधिकार है, मौलिक अधिकार है या मानवाधिकार? भारत ने भी 1966 के आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों की घोषणा पर हस्ताक्षर किया है, जिससे भोजन का अधिकार निकला है। इस प्रकार इस अधिकार में सीमाओं से परे मानवाधिकार होने के तत्व हैं। भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इसे संविधान के अनुच्छेद 21 (सम्मान से जीवन का अधिकार), 39 (ए) और 47 से जोड़ते हुए एक मौलिक अधिकार माना है। नीति निर्देशक तत्व के हिस्से अनुच्छेद 39 (ए) में जीवनयापन के समुचित साधन मुहैया कराने तथा अनुच्छेद 47 में पोषण और जीवन स्तर बेहतर करने के निर्देश राज्यों को दिये गये हैं। आयोग का कहना है कि भूख का अर्थ मौलिक अधिकारों से वंचित करना है। भूख के सबूत के लिए भुखमरी की जरूरत नहीं है। संकट को पहले ही पहचान लेना चाहिए।

मानवाधिकार आयोग ने सार्वजनिक नीति में व्यापक बदलाव करने तथा सभी नागरिकों के लिए विशेष प्राथमिकता के तौर पर भोजन व पोषण सुनिश्चित करने का आह्वान किया है। भूख और परेशानी को जख्म के रूप में देखा जाना चाहिए तथा ऐसी स्थिति के लिए राज्य को दंडित किया जाना चाहिए। संक्षेप में अगर राजकोष का भारी खर्च भी हो तब भी भूख मिटाना प्रमुख नीतिगत प्राथमिकता होनी चाहिए। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की दृष्टि मुफ्त राशन कार्यक्रम की अवधि को तीन महीने और बढ़ाने के सरकार के हालिया निर्णय के मद्देनजर महत्वपूर्ण हो जाती है। इसका अतिरिक्त खर्च 44 हजार करोड़ रुपये होगा। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे अधिक समय तक चलने वाली मुफ्त राशन वितरण योजना होगी जो 33 माह चलेगी। भोजन के अधिकार के प्रति भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि भोजन मुफ्त में दिया जाना चाहिए, लेकिन भुखमरी से हुई मौतों द्वारा इंगित गंभीर स्थिति ने मुफ्त राशन देना जरूरी कर दिया है। बीस साल पहले भारत में भोजन के अधिकार का अभियान शुरू हुआ था, जिसकी जड़ें सर्वोच्च न्यायालय में दायर जनहित याचिका में थीं। उस याचिका की जरूरत इसलिए पड़ी थी कि सरकारी गोदाम अनाज से भरे थे, लेकिन देशभर में भूख और कुपोषण के सबूत सामने थे। राष्ट्रव्यापी अभियान का एक परिणाम यह हुआ कि 2013 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून पारित किया गया।

इस पर कई लोगों, विशेषकर वित्तीय आयामों को लेकर चिंतित लोगों ने आपत्ति जतायी जो भारी वित्तीय बोझ को लेकर चिंता जता रहे थे। इस कानून के तहत हर परिवार को प्रति व्यक्ति पांच किलो चावल, गेहूं या ज्वार/बाजरा क्रमशः तीन, दो और एक रुपये किलो की दर से हर माह देने का प्रावधान है। कानून के दायरे में ग्रामीण आबादी का तीन-चौथाई हिस्सा तथा शहरी आबादी का आधा हिस्सा आते हैं। यह संख्या लगभग 81 करोड़ है। सबसे गरीब तबके को हर माह प्रति परिवार 35 किलो अनाज अंत्योदय अन्न योजना के तहत दिये जाते हैं। प्रधानमंत्री अन्न योजना ने अनाज को मुफ्त कर दिया। यह योजना कोरोना के कारण अप्रैल, 2020 में शुरू हुई थी। भारत जीवनयापन के संकट को व्यापक खाद्य संकट में बदलना नहीं चाहता था। इस योजना से हमें बहुत फायदा हुआ है और आज खाद्य मुद्रास्फीति के दौर में इसने महंगे अनाज के खरीद से भी परिवारों को बचाया है। खाते में निर्धारित नगदी लाभार्थी को मुद्रास्फीति से नहीं बचाती है। योजना की अवधि छह बार बढ़ायी गयी है और अब यह दिसंबर, 2022 तक जारी रहेगी। यह दिलचस्प है कि भारी वित्तीय बोझ के कारण इस वृद्धि का वित्त मंत्रालय ने विरोध किया है। अन्न योजना का खर्च 4.5 लाख करोड़ रुपया है, जो भारत की जीडीपी का दो प्रतिशत है। तेल की कीमतें बढ़ने के कारण खाद अनुदान इस साल दो लाख करोड़ रुपये तक जा सकता है। सवाल यह है कि क्या अन्न योजना को समाहित करने के लिए कोई और त्याग करना होगा। वित्तीय दबाव के कारण ही सरकार को अग्निपथ योजना लानी पड़ी। कुछ हवाई अड्डों पर अर्धसैनिक सुरक्षाकर्मियों की संख्या कम की गयी है। इस योजना के कारण स्वास्थ्य, शिक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर, सेना, पेंशन आदि में कुछ कटौती हो सकती है। सरकार कठिन वित्तीय चुनौतियों से भाग नहीं सकती है। यदि आर्थिक वृद्धि धीमी होती है और अपेक्षित कर संग्रहण नहीं होता है व अनुदान-कल्याण योजनाओं पर खर्च बढ़ता है तो हिसाब संतुलित करना आसान नहीं होगा। ब्याज दरें बढ़ रही हैं, इसलिए सरकार का उधार लेना भी महंगा होगा। इसी तरह अनुदान पर भोजन, मिड-डे मील योजना, गर्भवती महिलाओं के लिए पोषण योजना आदि में भी मानवाधिकार और मौलिक अधिकार के तत्व हैं। इन पर लाभार्थियों का दावा बनता है।

चीन पर लगाम लगाने की रणनीति

लक्ष्मी शंकर यादव

ताइवान के अनौपचारिक राजदूत बौशुआन गेर ने दो अक्टूबर को एक साक्षात्कार में क्षेत्र में चीन के आक्रामक रुख का जिक्र करते हुए कहा कि भारत और ताइवान दोनों एक अधिनायकवादी चीन का सामना कर रहे हैं इसलिए अब समय आ गया है कि उसकी निरंकुशता के खतरे एवं विस्तार को ध्यान में रखकर भारत और ताइवान को निकट रणनीतिक सहयोग बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने पूर्व और दक्षिण चीन सागर, हांगकांग और गलवान घाटी में तनाव को रेखांकित करते हुए कहा कि इस खतरे से निपटने के लिए भारत और ताइवान को हाथ मिलाने की जरूरत है। चीन की सैन्य आक्रामकता के मद्देनजर ताइवान की खाड़ी में न्याय, शान्ति और स्थिरता के लिए खड़े रहने के लिए उनका देश भारत की सराहना करता है। इस समय भारत और ताइवान साइबर, समुद्र, अंतरिक्ष, हरित ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा, पर्यटन और पाक कला के क्षेत्र में सहयोग बढ़ा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि भारत के ताइवान के साथ औपचारिक कूटनीतिक संबंध नहीं हैं लेकिन दोनों के बीच व्यापारिक संबंध हैं। नई दिल्ली ने 1995 में ताइपे में दोनों पक्षों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के लिए भारत-ताइपे संघ की स्थापना की थी।

गौरतलब है कि ताइवान के मुद्दे को लेकर अमेरिका व चीन की तनातनी बराबर जारी है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का एक साक्षात्कार टीवी चैनल सीबीएस न्यूज द्वारा 18 सितंबर को प्रसारित किया गया था। इस 60 मिनट के कार्यक्रम में जब उनसे पूछा गया कि चीन द्वारा हमले की स्थिति में क्या अमेरिकी सेना, अमेरिकी पुरुष और महिलाएं ताइवान की रक्षा करेंगे तो इसका जवाब उन्होंने हां में दिया। इस साक्षात्कार के प्रसारण के बाद से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका और चीन के बीच ताइवान को लेकर तनातनी और गहरी हो गई। जो बाइडेन के इस ताजा बयान के बाद व्हाइट हाउस ने एक बार फिर दोहराया है कि ताइवान को लेकर अमेरिकी नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वैसे ताइवान को लेकर अमेरिका की नीति हमेशा रणनीतिक अस्पष्टता वाली रही है।

वहीं दूसरी तरफ अमेरिका एक चीन नीति का पालन करता है जो बीजिंग के साथ उसके संबंधों की मुख्य आधारशिला है। इसके अगले दिन ताइवान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी सरकार के ताइवान की सुरक्षा के पक्के वादे की पुष्टि करने के लिए धन्यवाद किया। जो बाइडेन का यह बयान ऐसे समय में आया जब चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सरकार ने समुद्र में मिसाइल दागकर और ताइवान के निकटवर्ती इलाकों में लड़ाकू विमान उड़ाकर ताइवान को धमकाने का प्रयास किया है। ऐसे में अब तनाव का बढ़ना स्वाभाविक हो गया है। चीन से तनाव के बीच अमेरिका ने कुछ दिन पहले ही ताइवान को एक अरब डॉलर से अधिक के हथियार देने की घोषणा की है। जो बाइडेन के बयान के बाद चीन ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि वह ताइवान के शांतिपूर्ण एकीकरण के लिए पूरी ईमानदारी से प्रयास करेगा और देश को विभाजित करने के उद्देश्य से की गई किसी भी गतिविधि को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा।

गत 23 सितंबर को न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर अमेरिकी विदेश मंत्री अंटोनी ब्लिंकन और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच तकरीबन 90 मिनट तक चली प्रत्यक्ष एवं ईमानदार वार्ता में ताइवान पर ध्यान केन्द्रित किया गया। इस वार्ता में चीन ने अमेरिका पर ताइवान के मसले पर बहुत गलत एवं खतरनाक संकेत भेजने का आरोप लगाया जबकि अमेरिकी विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया कि हमारी लम्बे समय से चली आ रही चीन नीति में फिर से कोई बदलाव नहीं किया गया है। ताइवान जल डमरूमध्य में शांन्ति और स्थिरता बनाए रखना अत्यन्त ही महत्वपूर्ण है। चीन व अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव से युद्ध की स्थिति उत्पन्न होने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। इस कारण साउथ चाइना सी में जंग की तैयारियां बढ़ रही हैं। अमेरिका के ताइवान स्टेट में आने से चीन बुरी तरह से बौखलाया हुआ है और उसने वहां विनाशक हथियारों को तैनात कर दिया है। ताइवान स्टेट में जैसे ही अमेरिका का डेस्टर घुसा वैसे ही चीन ने अपने वॉरशिप पीछा करने के लिए भेज दिए। इसके बाद चीन ने ताइवान में अपने जंगी जेट और जहाजों को भेज दिया।

इस तरह चीन ने ताइवान स्टेट में युद्ध का मोर्चा तैयार कर दिया है। चीन ने जो यौद्धिक चक्रव्यूह बनाया है उसके तहत साउथ चाइना सी में दो नये पनडुब्बी बेस बना लिए हैं। ये पनडुब्बी बेस हेनान द्वीप के यूलिन नेवल बेस पर बनाए गए हैं। यहां पर चीन के चार बेस पहले से ही बने हुए हैं। अब यह संख्या 6 हो गई है। युद्धपोतों के मामले में चीन की नौसेना दुनिया की दूसरी नौसेना है। अब वह अपनी नौसैन्य ताकत बढ़ाने के उद्देश्य से नए युद्धपोतों का निर्माण कर रहा है। दूसरी तरफ ताइवान भी शांत नहीं बैठा है और 10 नए कार्बेट तैयार कर रहा है। इनमें से यंग फेंग द्वितीय एवं यंग फेंग तृतीय एंटी मिसाइलों से लैस होंगे। ये चीन के जहाजों की जल समाधि बनाने में सक्षम हैं। दूसरी ओर चीन प्रशान्त महासागर में भी नए सुरक्षा समझौते कर रहा है और कृत्रिम टापुओं का निर्माण कर रहा है। चीन असैन्य नौकाओं और पोतों के जरिए ऐसे काम करने की कोशिश कर रहा है जो सीधे तौर पर सेना की मदद से नहीं किए जा सकते हैं।

बच्चों में कलात्मक अभिरुचि जगाना आज के दौर में बेहद जरूरी है। इससे बच्चों के दिमाग का विकास तो होता ही है, साथ में उनकी कल्पना और चीजों को पहचानने का फोकस भी बढ़ता है। पैरेंट्स को इसके लिए कुछ टिप्स जान लेने चाहिए।

ये बातें बढ़ाएंगी आपके बच्चे की क्रिएटिविटी

बच्चों के लिए स्कूल में कई तरह की किताबें होती हैं। कई तरह की चित्रों से सजी बच्चों की किताबों को पड़ने और पड़ाने दोनों में ही काफी उत्सुकता होती है। हालांकि किताबों में चित्र भी बच्चों के कलात्मक अभिरुचि को जगाने के लिए बनाए जाते हैं। ज्यादातर बच्चे चित्रों की वजह से ही किताबों को चुनते हैं और उन्हें पहचानते हुए अनुमान लगाकर पढ़ने की कोशिश करते हैं। ये चित्र बच्चों की कल्पना को काफी हद तक विस्तार देते हैं, तो वहीं दूसरी तरफ उन्हें सुंदरता का एहसास भी करवाते हैं। लेकिन ज्यादातर स्कूलों में ये भी देखने को मिलता है कि, बच्चों को किताबें तो दे डी जाति हैं लेकिन उनपर बने चित्रों को ध्यान से देखने और उसपर बातचीत करने पर ध्यान नहीं दिया जाता। ऐसे में बच्चों में कलात्मक रूचि खत्म होती जाती है, जिसे जगाए रहना जरूरी है।

रोके नहीं

कुछ बच्चे काग़ज़ पर लिखने या ड्रॉइंग करने के बजाय दीवार पर लिखते या ड्रॉइंग करते हैं। अगर आपका बच्चा भी दीवार पर अपनी रचनात्मकता उकेरने में आनंद महसूस करता है, तो दीवार ख़राब होने या दोबारा पेंट कराने पर होने वाले ख़र्च की वजह से उसे रोकें नहीं। ज़रा सोच कर देखिए कि क्या आपके बच्चे की क्रिएटिविटी एक दीवार को दोबारा पेंट कराने में होने वाले ख़र्च से ज़्यादा है। नहीं तो बच्चे को उसके मन के मुताबिक़ चलने दें।

न करें कमेंट

बच्चे की बनाई चीज़ों पर कमेंट न करें, न ही उसे सुझाव दें। आमतौर पर लोग बच्चों को यह बताने में गर्व महसूस करते हैं, अगर तुम यह रंग थोड़ा गहरा कर देते या गुड़िया के बाल काले कर देते तो तुम्हारी ड्रॉइंग और सुंदर हो जाती। इस तरह के सुझाव से बच्चे को लगता है कि उसकी बनाई ड्रॉइंग ठीक नहीं है। वह दोबारा अपनी कल्पनाशक्ति इस्तेमाल नहीं करता। उसका उत्साह कमज़ोर पड़ जाता है। इसकी बजाय पॉज़िटिव कमेंट करें, जैसे तुमने अच्छा बनाया है, तुम अच्छे आर्टिस्ट हो आदि। इससे बच्चे का हौसला बढ़ेगा।

स्वीकृति दें

हर चीज़ में सुंदरता न तलाशें। बच्चे ने जो भी बनाया है, उसे संभाल कर रखें। उसकी बनाई ड्रॉइंग्स को फ्रेम कराकर घर में लगाएं। बच्चे का ख़ुद पर भरोसा बढ़ेगा। अगली बार वह ज़्यादा उत्साह से जुटेगा। वैसे भी बच्चे ने क्या और कैसा बनाया है, इससे ज़्यादा महत्वपूर्ण यह है कि उसे बनाने में बच्चे को कितना मज़ा आया है।

ख़ुद तय करने दें

आपकी भूमिका बच्चे को सिर्फ सामान ख़रीदकर देने तक होनी चाहिए। अगर उसे ड्रॉइंग करने में मजा आता है तो पेंसिल-रबर, ड्रॉइंग बुक, स्केचपैन, पेंसिल कलर, आदि उसे ख़रीद कर दें। लिखने में रुचि है तो अच्छी किताबें ला कर दें। वह जो करना चाहता है उसे करने दें। ऐसा न हो कि वह तो ड्रॉइंग करना चाहता हो और आप उसे पोयम लिखने के लिए कहें।

बांधें नहीं

अपनी तरफ से कोई प्रोजेक्ट या टॉपिक देने की कोशिश न करें। आपके प्रोजेक्ट या टॉपिक देते ही वह एक खांचे में बंध जाएगा। उसकी सोच का दायरा सिकुड़ जाएगा। अगर बच्चा ख़ुद आपसे मदद मांगे तो सीधे तौर पर मदद करने के बजाय उससे बात करें। जैसे अगर बच्चा पूछे कि गुलाब के फूल में कौन-सा रंग भरे तो उसे सीधे गाइड करने के बजाय घर या स्कूल के गार्डन में लगे फूलों के बारे में उससे बात करें। बातों में उसे बताएं कि किस फूल में लाल, किसमें गुलाबी, किसमें पीला रंग भरते हैं। कुछ ही देर में उसके दिमाग़ में ख़ुद आइडिया आ जाएगा और वह बातचीत बीच में छोड़कर अपने बनाए फूल में रंग भरने लग जाएगा।

कहानी: लालची व्यक्ति

घी के दो व्यापारियों की दुकानें एक-दूसरे के बराबर में थीं। एक दिन उनमें से एक ने दूसरे से 500 स्वर्ण मोहरें उधार लेने की सोची और अपना कर्ज बिना किसी परेशानी के चुकाने को कहा। लेकिन जब कर्ज वापस करने का समय आया तो उसने ऐसा करने से मना कर दिया। उसने यह भी स्वीकार करने से मना कर दिया कि उसने उससे रुपये उधार लिए हैं। वह व्यापारी जिसने धन उधार दिया था वह न्याय के लिए बादशाह के पास गया। बीरबल को हमेशा की तरह न्याय करने को कहा। बीरबल ने दोनों को बुलवाया और दोनों की कहानी सुनी। बीरबल ने दोनों से दस दिन का समय मांगा और दोनों व्यापारियों को घर भेज दिया। समस्या पर गहन विचार के बाद बीरबल ने तेल के 10 टिन मंगवाए। हर टिन में ।10 किलो तेल था और उनमें से दो में बीरबल ने सोने के सिक्के डाल दिए। तब उसने 10 टिन अलग-अलग 10 व्यापारियों को दिए और उनकी कीमत पता करने को कहा। उन्हें वे टिन घर ले जाने और तीन दिन बाद वापस आने को कहा। बीरबल ने सोने के सिक्के वाले दोनों बर्तन घी व्यापारियों को दे दिये। लेकिन उसके बेईमान पड़ोसी को सिक्का मिला तो उसने उसे अपने बेटे को दे दिया। निश्चित दिन पर सभी 10 व्यापारी तेल लेकर बीरबल के पास आये और उन्हें मूल्य के बारे में बताया। बीरबल ने उस व्यापारी के टिन को ध्यान से देखा जो अपना कर्ज नहीं चुकाना चाहता था और यह भी देखा कि सिक्का गायब होने के साथ उसमें से कुछ तेल भी कम था। जब बीरबल ने इस बारे में पूछा, तो व्यापारी ने जवाब दिया कि जब मैंने इसे परखने के लिए गरम किया होगा यह तब कम हो गया होगा। बीरबल बोले, अच्छा यह बात है, चलो मैं देखता हूं। मैं अभी वापिस आता हूं। ऐसा कहकर, वह अन्दर गया और अपने एक नौकर को उस व्यापारी के घर जाकर उसके पुत्र से सिक्का लाने को कहा। बहुत जल्द वह लड़का सोने के सिक्के के साथ दरबार में आ गया और तुरन्त उससे बीरबल ने पूछा, क्या तुम वे पांचों सिक्के लेकर आये हो जो तुम्हारे पिता को तेल में मिले थे? तभी उत्तर आया, मालिक, तेल में केवल एक सिक्का था, पांच नहीं। बीरबल ने तब व्यापारी से कहा, जब तुम एक सिक्के के लिए बेइमानी कर सकते हो जो मैंने तेल के डिब्बे में डाला था व इसके साथ तुमने उसमें से कुछ तेल भी निकाल लिया और गरम करने के कारण तेल कम होने का बहाना बना दिया तब तुम 500 सोने के सिक्कों के लिए सच क्यों बोलोगे जो तुमने पड़ोसी से उधार लिए थे। अब तुम्हारे पास कहने को क्या हे? अब व्यापारी को बचाव का कोई तरीका नजर नहीं आया तो उसने सभी तेल व्यापारियों के सामने अपनी गलती मान ली।

इस कहानी से मिलने वाली शिक्षा: सच कभी भी परदे के पीछे नहीं रह सकता। बेइमानी देर सवेर सामने आ ही जाती है। इज्जत एक बार जाने के बाद दोबारा पाना मुश्किल हो जाता है।

हंसना मना है

योग गुरु: क्या योग करने से आपके पति के शराब पीने में कौई बदलाब आया?? महिला: हां अब वो सर के बल खड़े होकर शराब पी लेते हैं।

सबसे सख्त व्यापारी होता है पानीपूरी बाला लडकी कितनी भी स्माइल दे लेकिन बन्दा कभी गिनती नहीं भूलता।

पप्पू जब भी कपड़े धोने लगता तब बारिश हो जाती एक दिन धूप निकल आयी तो पप्पू भागा-भागा सर्फ लेने गया रास्ते में ही बादल गर्जने लगे पप्पू आसमान को देखकर बोला: मैं तो नमकीन लेने जा रहा था।

बच्चा घर से मार खाकर स्कूल जा रहा था रास्ते में किसी ने पूछा- बेटा पढते हो? बच्चा: नहीं, स्कूल ड्रेस पहनकर तेरे बाप की बारात में जा रहा हूँ।

पिता बेटे से: देखो बेटा जुआ एक ऐसी आदत है कि यदि इसमें आज जीतोगे तो कल हारोगे, परसों जीतोगे तो उससे अगले दिन हार जाओगे बेटा: बस पिताजी मैं समझ गया, आगे से मैं एक दिन छोडकर खेला करूँगा।

10 अंतर खोजें

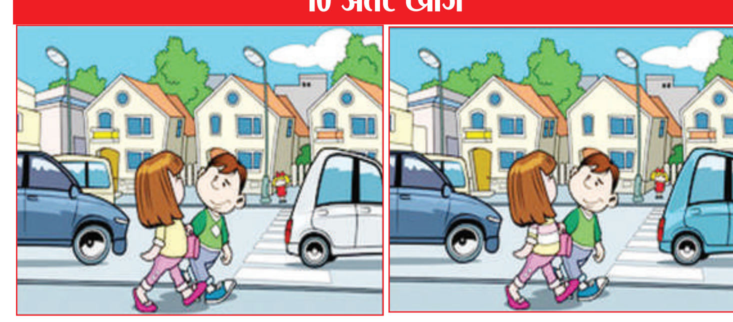

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: कार्यस्थल पर नवीन समीकरणों के चलते आप पूरे समय व्यस्त रहेंगे. कुछ रुकी हुई परियोजनाएं अब प्रगति करेंगी। नौकरीपेशा जातकों को प्रमोशन मिल सकता है तथा इच्छित स्थान पर स्थानांतरण भी संभव है।

तुला: आपकी मां की स्वास्थ्य स्थिति आपको चिंतित रखेगी और आपके बच्चों का स्वास्थ्य भी खराब हो सकता है, परंतु भौतिक समृद्धि की स्थिति बहुत फायदेमंद होगी और आपको विभिन्न स्रोतों से लाभ होगा।

वृषभ: आज आपकी नये कार्यों में रूचि बढ़ेगी, जिससे आपको कुछ नया सिखने को मिलेगा। आपका आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा और भी अधिक मजबूत होगा। परिवार का माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

वृश्चिक: बिजनेस के सिलसिले में आपको विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है। आपकी यात्रा सुखद रहेगी। संतान पक्ष से सुख की अनुभूति हो सकती है,जिससे आपकी खुशियों में इजाफा होगा।

मिथुन: आज मित्र के साथ कहीं घुमने जाने का अवसर आपको मिलेगा। जीवनसाथी से सोच-समझकर मजाक करें। कठिनाइयां समाप्त होंगी और रुके हुए कार्य गतिशील होंगे।

धनु: आज हर किसी से प्रेम भाव से बातचीत करने की आवश्यकता है। माँ के स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती हैं। मित्रों के साथ यात्रा पर जाना हो सकता है। आपके परिवार में आनंद का वातावरण रहेगा।

कर्क: आप खुश और हंसमुख रहेंगे। आपके पास कई नए अवसर होंगे। आपका करियर और आपकी वित्तीय स्थिति में भी काफी सुधार होगा। प्रेमियों के लिए सुखद समय रहेगा।

मकर: आज आपको विभिन्न स्तरों पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। इस समय शांत और सकारात्मक रहना महत्वपूर्ण है। टकराव से बचें। उचित विचार के बाद वित्तीय निर्णय लें। छात्र सफलता प्राप्त करेंगे।

सिंह: आज किसी शुभ समाचार की प्राप्ति हो सकती है। इस राशि के स्टूडेंट्स अपने पढ़ाई-लिखाई में थोड़ा बदलाव करने की सोच सकते हैं,जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद हो सकती है।

कुम्भ: आज परिवार वालों का पूर्ण स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। आज आपके कुछ मित्र मददगार साबित होंगे। ऑफिस में आपके काम की प्रशंसा होगी। आपको अचानक धन लाभ होगा।

कन्या: आज आपकी आमदनी के स्रोतों में इजाफा होता नजर आ रहा है। मामलों को सुलझाने की कोशिश में योजनाओं और मनोभावों में बदलाव आ सकता है।

मीन: आज जीवनसाथी के साथ संबंधों में सुधार होगा। बचत योजनाओं में निवेश करने के लिए यह एक अच्छा समय है। छोटी-मोटी बातों को लेकर विवाद टालें। पति-पत्नि के बीच अच्छा तालमेल रहेगा।

इमोशनल ड्रामा है 'गुडबाय'

हमारे समाज में किसी भी पर्व-त्यौहार, शादी या अंतिम संस्कार को लेकर तमाम तरह के रीति रिवाज बनाए गए हैं। अब यह हम पर निर्भर करता है कि हम उन रीति-रिवाजों को मानकर समझें या समझकर मानें। आस्था के पीछे कई बार साइंस व लॉजिक लगाने की कोशिश की जाती रही है। साइंस और कस्टम के बीच की इसी आपसी मतभेद की कहानी है गुडबाय। गुडबाय महज फैमिली ड्रामा फिल्म नहीं है, बल्कि यहां अपने रीति-रिवाजों के प्रति हमारी सोच की भी बात है। विकास बहल की यह फिल्म दर्शकों के लिए कैसी है, जानने के लिए पढ़ें रिव्यू।

वैसे तो हम अपनी जिंदगी में बहुत सी प्लानिंग करते रहते हैं। पर क्या कभी इस बात की प्लानिंग की है कि मरने के बाद हमारा अंतिम संस्कार किस तरह का होगा? किसी की मौत के बाद उसके तमाम करीबी उस इंसान से जुड़ीं पसंदीदा चीजों का जतन कर अंतिम संस्कार की तैयारी करते हैं, लेकिन अगर पहले से ही अंतिम संस्कार की प्लानिंग हो, तो कितना अलग होगा न। फिल्म गुडबाय देखने के बाद आपके जेहन में भी यह ख्याल जरूर आता है।

चंडीगढ़ में हरीश भल्ला (अमिताभ बच्चन) और उनकी पत्नी गायत्री (नीना गुप्ता) अपने चार बच्चों के साथ रहते हैं।

चारों बच्चे अब अपनी पढ़ाई करने के बाद देश व विदेश में शिफ्ट हो चुके हैं। तारा (रश्मिका मंदाना) मुंबई में वकील हैं, दो बेटे अंगद (पवेल गुलाटी) विदेश में मल्टीनैशनल कंपनी में जॉब करते हैं और छोटा बेटा नकुल माउंटेनियर है। जिंदगी से भरपूर गायत्री की अचानक हार्ट-अटैक से मौत हो जाती है। सभी बच्चे अपनी मां की अंतिम विदाई के लिए चंडीगढ़ पहुंचते हैं और यहां से शुरू होती है उनकी कहानी।

क्वीन, शानदार, सुपर 30 जैसी फिल्मों के बाद विकास अपने दर्शकों के लिए फैमिली ड्रामा के रूप में गुडबाय लेकर आए हैं। इस फिल्म के जरिए विकास ने कई मुद्दों को छूने की कोशिश की है। रीति-रिवाज और साइंस का मतभेद, एक साधारण मीडिल क्लास फैमिली में रोजाना होने वाली उलझनें, आज के दौर में परिवार के बीच बढ़ती दूरियां और किसी अपने का जाने गम, आपको इस फिल्म में तमाम तरह के रस मिलेंगे। किसी के जाने के बाद मुंडन करने का लॉजिक, बॉडी की नाक में रुई क्यों डाली जाती है, बॉडी के पैरों के अंगूठों को एकसाथ क्यों बांधते हैं क्या ये महज अंधविश्वास है या कोई साइंस, इस तरह के सवालों का जवाब विकास ने फिल्म के जरिए बखूबी दिया है।

फिल्म वाकई में आपको एक इमोशनल राइड पर लेकर जाती है, जहां आप कभी हंसते हैं, तो कभी आपके आंसू रुकने का नाम ही नहीं लेते हैं। क्रिटिक के नजरिए से बेशक फिल्म में कुछ कमियां जरूर हैं, लेकिन कहानी इतनी अपनी सी लगती है कि आप उन कमियों को नजरअंदाज कर जाते हैं। एक बहुत समय के बाद फैमिली ड्रामा फिल्म स्क्रीन पर आई है, इसका फायदा जरूर मेकर्स को मिल सकता है। फिल्म की शुरुआत होते ही आप 15 मिनट में रोने लगते हैं और इसकी खासियत यह है कि इंटेंस सब्जेक्ट होने के बावजूद मेकर ने इसको बखूबी बैलेंस किया है। सभी सिचुएशन इतनी खूबसूरती से फिट किए गए हैं कि आप रोते-रोते कब हंसने लगते हैं, वो समझ नहीं आता है। फिल्म के सीक्वेंसेस बहुत लंबे हैं, जिस वजह से इसका पेस ड्रैग सा लगता है।

बॉलीवुड | मन की बात

आदित्य नारायण को नहीं मिल रहा काम?

पापा कहते हैं बड़ा नाम करेगा, बेटा हमारा ऐसा काम करेगा। सिंगर उदित नारायण का ये गाना तो सुना ही होगा। बेटे के पिता को प्राउड फील कराने के सपने को दिखाता ये गाना एवरग्रीन है। उदित नारायण के बेटे आदित्य ने भी अपने पिता को सक्सेसफुल होकर दिखाने का सपना देखा होगा। मगर क्या आदित्य ऐसा कर पाएं? ये तो तय है कि आदित्य अपने पिता से बड़े स्टार नहीं बन पाए हैं। सिंगर, एक्टर और होस्ट बनकर आदित्य सालों से इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं मगर फिर भी। आदित्य नारायण मल्टीटैलेंटेड हैं। कई फिल्मों के लिए गा चुके हैं, एक्टिंग कर चुके हैं, होस्टिंग करते तो उन्हें आए दिन देखा ही जाता है। वैसे उन्हें लाइमलाइट होस्टिंग से ही मिली है। आदित्य के साथ होस्टिंग का ठप्पा ऐसा जुड़ा है कि फैंस को वे दूसरे रोल्स में खास पसंद नहीं आते। अगर ऐसा बोले कि आदित्य को होस्टिंग के सिवा कोई और काम नहीं मिल रहा तो शायद गलत नहीं होगा। क्योंकि SaReGaMaPa 2022 खत्म होने के बाद आदित्य ने होस्टिंग से ब्रेक लेने के बात कही थी। आदित्य ने कहा था- बतौर होस्ट इंडियन टीवी पर 2022 मेरा आखिरी साल होगा। इसके बाद मैं होस्ट नहीं करूंगा। मैं अब कुछ बड़ा करना चाहता हूं। 15 साल के बाद टीवी से ब्रेक लेने का ऐलान तो सिंगर ने डंके की चोट पर कर दिया था। पर हुआ क्या? इंडियन आइडल का 13वां सीजन कोई और नहीं बल्कि आदित्य ही होस्ट कर रहे हैं। होस्टिंग नहीं करना चाहते फिर भी आदित्य को इसी में काम मिल रहा है। इसमें दोराय भी नहीं है कि आदित्य शानदार होस्ट हैं। उन्होंने 2007 में सारेगामापा का पहला सीजन होस्ट किया था। कई सीजन उन्होंने सिंगिंग रियलिटी शो के होस्ट किए। फिर राइजिंग स्टार किया और अब इंडियन आइडल होस्ट कर रहे हैं।

एंथम लाइट द स्काई में छाईं नोरा फतेही

बॉलीवुड | मसाला

डांसिंग क्वीन नोरा फतेही अपने डांस के कारण हर किसी के दिल पर राज करती हैं। एक ओर जहां नोरा के डांस वीडियोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल होते हैं तो वहीं उनकी दिलकश अदाएं सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लेती हैं, लेकिन हाल में ही नोरा ने कुछ ऐसा किया है कि जिससे हर कोई उन पर गर्व कर रहा है।

क्या है पूरा मामला

नोरा फतेही ने अपने इंस्टाग्राम पर फीफा वर्ल्डकप का ऑफिशिल एंथम शेयर किया है, जिसे फैन्स और सोशल मीडिया यूजर्स पसंद कर रहे हैं। ये वीडियो फीफा वर्ल्डकप के एंथम लाइट द स्काई का टीजर है, जहां नोरा फतेही अपने डांस का जलवा बिखेरती नजर आ रही हैं। नोरा ने बताया कि 7 अक्टूबर को गाना रिलीज किया जाएगा। जेनिफर लोपेज, शकीरा के बाद अब नोरा फीफा वर्ल्डकप में परफार्म करने जा रही हैं।

नोरा ,इस एंथम पर भारत और खासकर दक्षिण पूर्व एशिया का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली एक्ट्रेस बन गई हैं। नोरा फतेही फीफा के म्यूजिक वीडियो में डांस परफॉर्मेंस करते हुए नजर आएंगी। इस गाने को फेमस म्यूजिक निर्माता रेडऑन ने तैयार किया है, जो दुनिया के फेमस रिकॉर्ड निर्माताओं में से एक हैं। नोरा फतेही सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। उनके इंस्टा पर 42.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं, जबकि वो खुद 430 लोगों को फॉलो करती हैं। नोरा फतेही के फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल होते हैं। फैंस नोरा के बारे में जानने के लिए हमेशा बेताब रहते हैं। बता दें आज कल नोरा मानिके गाने को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं।

ये है दुनिया का सबसे अद्भुत और सुदंर गांव, जहां न तो सड़कें हैं और ना ही बाइक या कार

गांव का नाम सुनते ही हमारी आंखों के सामने चारों तरफ फैली हरियाली की तस्वीरें उभरने लगती है। आज हम आपको एक ऐसे ही गांव के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे दुनिया का सबसे खूबसूरत गांव माना जाता है। सबसे हैरानी की बात तो ये है कि इस गांव में ना तो सड़कें है और ना ही किसी के पास कोई वाहन। ये बात यकीनन आपको हैरान कर रही होगी तो फिर इस गांव में लोग आते जाते कैसे हैं। तो चलिए आपके इस गांव के बारे में पूरी जानकारी देते हैं। दरअसल, यूरोपीय देश नीदरलैंड में एक ऐसा गांव है जिसे दुनिया का सबसे खूबसूरत गांव माना जाता है। 'गिएथूर्न' नाम के इस गांव हर साल लाखों पर्यटक आते हैं। इस गांव को दक्षिण का वेनिस भी कहा जाता है क्योंकि यहां ये बेहद खूबसूरत है। यहां साल भर पर्यटकों की भीड़ रहती है। इस गांव की खूबसूरत देखकर आपका यहां से वापस आने का मन नहीं करेगा। इस गांव की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह पूरा गांव नहरों से घिरा हुआ है। इस गांव में आपको एक भी गाड़ी या बाइक देखने को नहीं मिलेगी। क्योंकि इस गांव में एक भी सड़क ही नहीं है। इस गांव में बाइक या गाड़ियां न होने की वजह से यहां के लोग नाव से चलते हैं। क्योंकि पूरे गांव में गलियों की बजाए नहरें बहती हैं। इन नहरों में इलेक्ट्रिक मोटर से नाव चलती हैं और कम शोर होने की वजह से लोगों को शिकायत भी नहीं रहती है। नहरों के एक किनारे से दूसरे किनारे पर जाने के लिए नहर के ऊपर लकड़ी के पुल बनाये गए हैं। बताया जाता है कि साल 1170 यहां एक भयंकर बाढ़ आई थी, जिससे यहां इतना पानी आ गया। उसके बाद साल 1230 में इस गांव की स्थापना हुई। जब लोग यहां रहने आये तो उन्हें यहां पर बहुत सारे जंगली बकरियों के सींग मिले जो संभवतः साल 1170 की बाढ़ में बहकर यहां पहुंच गई थीं। शुरुआत में इस जगह को 'गेटेनहॉर्न' नाम से जानते थे। जिसका मतलब बकरियों के सींग होता है, जो बाद में जाकर 'गिएथूर्न' हो गया। गांव में इन नहरों के बनने के पीछे की कहानी भी बड़ी दिलचस्प है, जो कि अनजाने में हुआ था। बताया जाता है कि साल 1170 की बाढ़ के बाद जब लोग यहां रहने लगे तो बाढ़ के कारण इस जगह पर बहुत मात्रा में पिट जमा हो गई। बता दें कि पिट एक तरह की दलदली मिट्टी और वनस्पतियों का मिश्रण होता है, जिसे ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। यहां आकर बसे लोग इस पिट के इस्तेमाल के लिए जगह-जगह उसकी खुदाई करने लगे। इस खुदाई के चलते कई सालों में यहां पर नहरों का निर्माण हो गया। गिएथूर्न गांव में फैली इन नहरों की कुल लंबाई 7. 5 किलोमीटर है। इन नहरों की वजह से ही इस गांव को दुनिया का सबसे खूबसूरत गांव माना जाता है और इसे देखने के लिए हर साल लाखों पर्यटक यहां पहुंचते हैं। इस गांव के बारे में दुनियाभर के लोगों को तब पता चला जब साल 1948 में यहां बर्ट हांस्त्रा की डच कॉमेडी फिल्म फैनफेयर की शूटिंग हुई।

अजब-गजब | चमत्कार देखने वालों के बन जाते हैं सारे बिगड़े काम!

दशहरे के दिन सीधी हो जाती है कंकाली माता की झुकी हुई गर्दन

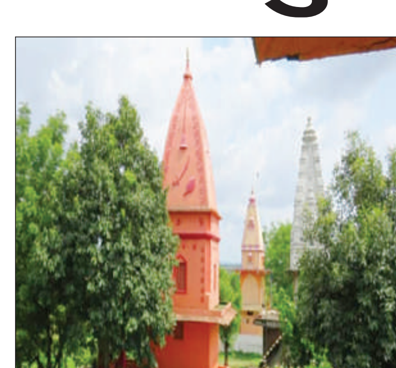

देश में अनेकों ऐसे चमत्कारी और रहस्यमी मंदिर हैं, जिनके बारे में जानकर लोग हैरान रह जाते हैं। देवी मां के भी कई चमत्कारी मंदिर देश में मौजूद हैं। देवी मां का ऐसा ही एक चमत्कारी मंदिर भोपाल से करीब 25 किलोमीटर दूर स्थित है। कंकाली माता का यह मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। कंकाली मंदिर देश नहीं पूरी दुनिया में अपने चमत्कार के लिए प्रसिद्ध है। इस मंदिर में दशहरे वाले दिन चमत्कार देखने को मिलता है। माता के इस चमत्कार को देखने के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। ऐसा माना जाता है कि जो कोई भक्त माता के इस चमत्कार को अपनी आंखों से देखता है, उसके सारे बिगड़े काम बन जाते हैं।

दरअसल दशहरे के दिन मां कंकाली देवी की गर्दन सीधी हो जाती है। इस रहस्य को अभी तक कोई सुलझा नहीं पाया है। इस मंदिर में वर्ष भर भक्तों का तांता लगा रहता है। मंदिर के बारे में मान्यता है। कि मां कंकाली देवी की प्रतिमा की टेढ़ी गर्दन दशहरे के दिन सीधी हो जाती है। 5 अक्टूबर को पूरे देश में दशहरा मनाया जाएगा। इस दिन कंकाली मंदिर में लोग चमत्कार देखने के लिए बड़ी संख्या में उपस्थित होंगे। रुदावल गांव में स्थित मां कंकाली के इस मंदिर में देवी मां की मूर्ति की गर्दन 45 डिग्री झुकी हुई है। बताया जाता है कि मंदिर की स्थापना 1731 के आसपास की गई थी। मंदिर के बारे में कहा जाता है कि खुदाई के दौरान यहां मूर्ति मिली थी। हालांकि मंदिर कब अस्तित्व में आया, सही स्थिति का कोई प्रमाण नहीं मिलता है। यहां लोग संतान प्राप्ति की मन्नत लेकर आते हैं। यहां श्रद्धालु गोबर से उल्टे हाथ के निशान लगाते हैं। माना जाता है कि ऐसा करने से मां की कृपा होती है और संतान प्राप्ति होती है। मनोकामना पूरी होने पर हाथों के सीधे निशान बना दिए जाते हैं।

इस मंदिर में कंकाली देवी की प्रतिमा में 20 भुजाएं है। मूर्ति के साथ भगवान ब्रह्मा विष्णु और महेश की प्रतिमाएं भी विराजमान हैं। वैसे तो यहां साल भर भक्तों का तांता लगा रहता है, लेकिन नवरात्रों में यहां खासी भीड़ दिखाई देती है। दशहरे वाले दिन माता का चमत्कार देखने बड़ी संख्या में भक्त यहां पहुंचते हैं।

जमीन के बदले नौकरी घोटाले में लालू-राबड़ी की बढ़ीं मुश्किलें, चार्जशीट दाखिल

» सीबीआई ने अन्य 14 के खिलाफ भी दाखिल किया आरोप पत्र

» लालू के ओएसडी रहे भोला यादव को पहले ही किया जा चुका है गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के पूर्व सीएम व राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। सीबीआई ने पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी व 14 अन्य के खिलाफ जमीन के बदले रेलवे में नौकरी घोटाले में आरोप पत्र दाखिल किया है। लालू प्रसाद पर आरोप है कि उन्होंने रेल मंत्री के रूप में रहते हुए काफी लोगों से जमीन लेकर बदले में उन्हें रेलवे में ग्रुप डी में नौकरियां दी। सीबीआई ने दिल्ली की राउज कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया है।

लालू प्रसाद 2004 से 2009 के बीच केंद्र की यूपीए सरकार में रेल मंत्री रहे। उन पर आरोप है कि पद पर रहते हुए उन्होंने बिहार में बड़ी संख्या में लोगों को रेलवे में नौकरी देने का प्रलोभन दिया और बदले में उनसे जमीन ली। सीबीआई ने करीब एक वर्ष पहले 23 सितंबर को इस मामले की प्रारंभिक जांच शुरू की थी। पुख्ता सबूत हाथ लगने के बाद सीबीआई ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की। 20 मई को लालू के पटना स्थित आवास के साथ ही देश के अलग-अलग 17 ठिकानों पर छापे मारे गए। लालू के साथ उनकी पत्नी राबड़ी देवी, पुत्री मीसा भारती, हेमा यादव एवं जमीन देकर नौकरी लेने वाले कुछ अन्य लोगों पर केस दर्ज किया गया था।

एजेंसी ने आरोप लगाया है कि पटना में करीब 1.05 लाख वर्ग फुट जमीन प्रसाद के परिवार के सदस्यों ने विक्रेताओं को नकद भुगतान कर अधिग्रहित की थी। इसी मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो के ओएसडी रहे भोला यादव को जुलाई में सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। भोला 2005 से 2009 तक लालू के ओएसडी थे। जांच एजेंसी ने पटना से लेकर दरभंगा तक के भोला के ठिकानों पर छापे मारे थे। उनपर आरोप है कि पटना में कुछ संपत्तियों के मालिकों तथा उनके परिवार के सदस्यों को रेलवे में नौकरी देने के बदले में उनकी संपत्तियों को पूर्व मंत्री के परिवार के सदस्यों को बेच दिया गया या भेंट के तौर पर दिया गया था।

राजद के कई नेताओं के यहां पड़ चुके हैं छापे

इसके पहले सुनील सिंह, अशफाक करीम, फैयाज अहमद और विधान परिषद के पूर्व सदस्य सुबोध राय समेत राजद के कई वरिष्ठ नेताओं के परिसरों में नौकरी के बदले जमीन घोटाले के मामले में छापे मारे जा चुके हैं।

बिहार नगर निकाय चुनाव

आरक्षण पर रोक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी नीतीश सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में नगर निकाय चुनाव में अति पिछड़ा वर्ग को दिए गए 20 प्रतिशत आरक्षण पर रोक लगाए जाने के पटना हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ नीतीश सरकार सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लीव पिटिशन (एसएलपी) दायर करेगी। 10 अक्टूबर तक सुप्रीम कोर्ट बंद है और इसके खुलते ही एसएलपी दायर की जाएगी।

महाधिवक्ता ललित किशोर ने बताया कि पटना हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर करेगी। जरूरी कार्रवाई पूरी कर ली गई है। अवकाश के बाद सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही शुरू होते ही इसे दायर कर दिया जाएगा। नगर निकाय चुनाव में अति पिछड़ा वर्ग के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण को नियमानुसार नहीं होने के बाद इस पर रोक लगा दी गई थी। पटना हाईकोर्ट के आरक्षण पर रोक के आदेश के बाद बिहार में इस महीने होने वाले नगर निकाय चुनाव स्थगित कर दिए गए। निकाय चुनाव के लिए 10 और 20 अक्टूबर को दो चरणों में वोटिंग होनी थी मगर रआयोग ने इसे टाल दिया।

चुनाव से पहले हिमाचल साधने पहुंचेंगे नड्डा

» कल से दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा नौ और दस अक्टूबर को हिमाचल के दौरे पर रहेंगे और प्रदेश के चार संसदीय क्षेत्रों में पंच परमेश्वरों (पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों) के साथ बैठक करेंगे। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदेश और केंद्र की भाजपा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का धरातल पर कितना लाभ जरूरतमंदों को मिल रहा है, इसका फीडबैक भी लेंगे।

राज्य में चुनाव से ठीक पहले भाजपा ने पंच परमेश्वरों के माध्यम से मतदाताओं तक अपनी पहुंच सुनिश्चित करने का रोड मैप तैयार किया है। नड्डा हमीरपुर, सोलन, कांगड़ा और मंडी संसदीय क्षेत्रों में जाकर पार्टी समर्थित पंचायत प्रतिनिधियों को आगामी विधान सभा चुनाव को लेकर दिशा-निर्देश देंगे। हफ्ते में दूसरी बार 9 अक्टूबर को नड्डा हमीरपुर आ रहे हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष बलदेव शर्मा ने कहा कि वह बड़ू स्थित राजकीय बहुतकनीकी महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। 10 अक्टूबर को वे मंडी संसदीय क्षेत्र तथा सोलन की बैठक में भाग लेंगे।

अडानी को लेकर सीएम गहलोत का पलटवार, कहा

राजस्थान के युवाओं का अहित करना चाहती है भाजपा

» राजीव गांधी के समय कंप्यूटर का विरोध बैलगाड़ी से चलकर किया था भाजपा ने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गौतम अडानी संग तस्वीरों पर भाजपा के हमले के बाद सीएम गहलोत ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में आने वाले निवेश और नौकरियों का विरोध कर भाजपा राजस्थान के युवाओं का अहित करने का काम कर रही है। इन्होंने राजीव गांधी के समय कंप्यूटर का विरोध बैलगाड़ी से चलकर किया था।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में करीब 11 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए हैं। यह दिखाता है कि राजस्थान की ट्रेडिशनल छवि बदलकर अब इन्वेस्टमेंट फ्रेंडली डेस्टिनेशन की छवि बनी है। राज्य में अभी तक का सबसे बड़ा निवेश आ रहा है लेकिन मुझे बड़ा अफसोस है कि भाजपा और मीडिया का एक तबका इस इवेंट की निगेटिव पब्लिसिटी में

लगा हुआ है। कांग्रेस कभी उद्योगों के खिलाफ नहीं रही। देश में उदारीकरण कर उद्योगों के लिए सकारात्मक माहौल बनाने का काम कांग्रेस ने किया। उन्होंने कहा कि मुझे ये समझ नहीं आया कि भाजपा ने इस कार्यक्रम का विरोध क्यों किया। आप अशोक गहलोत का विरोध करिए, कांग्रेस का विरोध करिए पर राजस्थान के युवाओं के भविष्य के मौकों का विरोध क्यों कर रहे हैं। क्या भाजपा प्रदेश के सुनहरे भविष्य के लिए हो रहे कामों का विरोध करेगी? गौरतलब है कि अडानी-अंबानी को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी व अशोक गहलोत भाजपा को घेरते रहे हैं। लिहाजा जब इंवेस्ट समिट में उद्योगपति गौतम अडानी के साथ गहलोत दिखे तो भाजपा ने उन पर जमकर निशाना साधा।

दीपावली से पहले तनिष्क ने खोला नया शो रूम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत के बड़े ज्वेलरी ब्रांड तनिष्क के लखनऊ स्थित इंदिरा नगर के नए शो रूम का उद्घाटन कंपनी के रीजनल बिजनेस मैनेजर गुरप्रीत सिंह ने किया। इस अवसर पर तनिष्क ने ग्राहकों को प्रत्येक आभूषण की खरीद पर मुफ्त सोने का सिक्का उपहार के रूप में दिया।

ग्राहक इस ऑफर का लाभ 7 से 9 अक्टूबर तक ले सकते हैं। गुरप्रीत सिंह ने बताया कि यहां सोने, कुंदन, पोल्की और डॉयमंड के लाजवाब आभूषणों की शानदार रेंज से लेकर पारंपरिक आभूषण तक उपलब्ध हैं। इस अवसर पर एरिया बिजनेस मैनेजर हेमेन्द्र शर्मा, परमजीत सिंह, पुष्कर कुमार (बिजनेस एसोसिएट), प्रमोद तिवारी, वर्तुल पांडेय, डैप्स निदेशक परेश चतुर्वेदी और शैलेन्द्र प्रताप के साथ गणमान्य मौजूद रहे।

गुजरात में बीजेपी को 'आप' देगी टक्कर!

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली की शराब नीति मामले में ईडी का एक्शन लगातार जारी है। ईडी ने दिल्ली, हैदराबाद और पंजाब में 35 ठिकानों पर छापेमारी की है। ऐसे में सवाल है कि क्या भाजपा केजरीवाल से घबरा गई है? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार विनोद अग्निहोत्री, अनिल जयहिंद, अनिल सिन्हा, प्रियंका कक्कड़ (आप प्रवक्ता) और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

अनिल जयहिंद ने कहा कि गुजरात में भाजपा के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रदेश है। पीएम मोदी का फोकस भी गुजरात पर है। गुजरात मॉडल की बुनियाद कितनी खोखली है, इसे आम आदमी पार्टी सामने रख रही है तो बीजेपी टेंशन में है। आप ही गुजरात में उसे कड़ी टक्कर देगी।

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

अनिल सिन्हा ने कहा छापेमारी में सबूत नहीं मिले तो ये नूरा कुश्ती वाली बात है। नुकसान कांग्रेस को हो रहा है। आप की नीति थी शराब बंदी की लेकिन इसके विपरीत काम किया लाए। जो सरकारी था, उसे प्राइवेट कर दिया। ईडी और सीबीआई को कहा हिट करना चाहिए ये केंद्र को मालूम है।

प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि दिल्ली में बिजली बाहर से खरीदते हैं फिर भी 200 यूनिट मुफ्त देते हैं। 400 यूनिट तक हाफ दे देते हैं और गुजरात में देश में सबसे महंगी बिजली हैं। हर एक तक अच्छी शिक्षा पहुंचे, हेल्थ सिस्टम मिले। गुजरात में स्थिति बहुत खराब है। दिल्ली मॉडल से बीजेपी घबराई हुई है।

विनोद अग्निहोत्री ने कहा कि छापे तो ममता बैनर्जी, गहलोत और विपक्ष के अन्य लोगों के करीबियों के यहां भी पड़े लेकिन हुआ क्या। फिलहाल गुजरात में आम आदमी पार्टी बढ़ रही है।

भ्रष्टाचार का प्रमाण है पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर सड़क धंसना : संजय सिंह

» आप नेता ने ट्वीट कर मोदी सरकार पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी-1 के ड्रीम प्रोजेक्ट में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे प्राथमिकता में रहा, लेकिन जिस तरह बरसात में बार-बार ये बैठ रहा उससे कार्यदायी संस्था व कार्य के गुणवत्ता पर सवाल खड़े होने लगे हैं । पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर 15 फीट चौड़ा गड्ढा होने पर जहां सरकार में बैठे लोगों ने चुप्पी साध रखी है तो वहीं दूसरी तरफ विपक्ष लगातार हमला करता नजर आ रहा।

कांग्रेस के बाद अब बीजेपी सांसद संजय सिंह ने सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि सड़क धंसना भ्रष्टाचार का ही प्रमाण है। महेश भट्ट की फिल्म सड़क का पोस्टर और दूसरी ओर पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के गड्ढे की तस्वीर लगाकर टवीटर पर संजय सिंह ने लिखा कि महेश भट्ट ने बनाई थी- सड़क, मोदीजी ने बनाई-धंसी सड़क। बुंदेलखंड और पूर्वांचल में भारी सफलता के बाद बाकी सड़कों में धंसने की होड़ लगी। सरकार के भ्रष्टाचार का इससे बड़ा साक्ष्य क्या होगा? वहीं डीएम सुल्तानपुर रवीश गुप्ता ने कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर एडवांस ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लगाने का काम कराया जा रहा है, इसके लिए ऑप्टिकल फाइबर केबिल डालने के लिए ड्रिलिंग की गई थी, इस ड्रिलिंग से एक छेद हो गया था, जिससे भारी बारिश के कारण जल भराव हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर यूपीडा की तकनीकी टीम द्वारा सड़क पर बने गड्ढे की मरम्मत कर दी गई। अब एक्सप्रेस-वे के दोनों तरफ यातायात को सुचारु रूप से चालू कर दिया गया है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस वे में जमीन विनिमय के नाम पर हुआ भ्रष्टाचार

पूर्वांचल एक्सप्रेस वे निर्माण में एक नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार के कई तरह के आरोप हैं। हलियापुर थाना क्षेत्र के जरईकला गांव निवासी जीतराज सिंह का आरोप है कि गांव के कुलदीप सिंह ने पूर्वांचल एक्सप्रेस वे में उसकी जमीन विनिमय कराने की सलाह देते उसे सुल्तानपुर कलेक्ट्रेट लेकर पहुंचा। यहां पर उसने बल्दीराय के पूरे रिसाल मिश्र निवासी रवींद्र नाथ मिश्रा से मुलाकात कराई। 5 बीघा खेत के विनिमय का सौदा 15 लाख रुपए में तय हुआ। जीतराज के मुताबिक रवींद्र ने कहा कि एडीएम से हमारे संबंध अच्छे हैं मैं करा दूंगा। इसके बाद 9 अगस्त को 2 लाख नकद व 3 लाख रुपए ननका पत्नी ओंकार निवासी पूरे अलप सिंह थाना जामो अमेठी के एकाउंट पर आरटीजीएस कराया गया। 28 अगस्त को ननका के ही खाते पर जालसाजों ने 4 लाख 50 हजार रुपए एनएफटी के जरिए लिया। इसके अलावा नकद रकम भी जीतराज से ली गई। हाल ही में एडीएम का ट्रांसफर सुल्तानपुर से बांदा हो गया लेकिन जमीन का विनिमय नहीं हुआ।

बिहार विधानसभा उपचुनाव लड़ेगी लोजपा!

» चिराग पासवान ने अभी तक नहीं खोले पत्ते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में विधानसभा उपचुनाव का बिगुल बज चुका है। गोपालगंज और मोकामा विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया जारी है। चिराग पासवान की लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने अभी तक पत्ते नहीं खोले हैं। लोजपा (रामविलास) उपचुनाव में क्या बीजेपी के साथ गठबंधन करेगी या अलग से प्रत्याशी उतारेगी, इस बारे में स्थिति साफ नहीं हो पाई है।

चिराग का कहना है कि अभी पार्टी ने फैसला नहीं लिया है, मंथन जारी है। लोजपा (रामविलास) के मुखिया चिराग पासवान ने कहा है कि विधानसभा उपचुनाव को लेकर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। संसदीय बोर्ड की बैठक हुई है। लेकिन निर्णय की जानकारी उन्हें नहीं है। वे जल्द निर्णय लेंगे।

मुलायम सिंह यादव की हालत नाजुक, वेंटिलेटर सपोर्ट पर

» अखिलेश और रामगोपाल पहुंचे मेदांता अस्पताल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संरक्षक व पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव की तबीयत नाजुक है। बीते कुछ दिनों से गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में आईसीयू में दाखिल हैं। वह अभी भी वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रह रही है। वहीं पिता का हाल जानने अखिलेश यादव मेदांता पहुंचे हैं।

रामगोपाल यादव भी अस्पताल में मौजूद हैं। मेदांता अस्पताल ने बताया कि मुलायम सिंह यादव की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है और वह जीवन रक्षक दवाओं पर हैं। मेदांता मेडिसिटी हॉस्पिटल सूत्रों के मुताबिक, उनकी किडनी में संक्रमण फैल गया है। इसकी वजह से शरीर में क्रिएटनिन लेवल बार-बार अनियंत्रित हो

रहा है। ऐसे में सामान्य डायलिसिस की जगह उन्हें एडवांस कन्टिन्यूअस रीनल रिप्लेसमेंट थेरेपी (सीआरआरटी थेरेपी) सपोर्ट पर रखा गया है। यह थेरेपी किडनी खराब होने पर सामान्य डायलिसिस के इलाज से बेहतर होती है। इस बीच मुलायम सिंह यादव के परिवार वालों ने अपील की थी कि नेताजी ठीक हैं। यहां अस्पताल में उनसे मिलने न आएं। कार्यकर्ताओं और नेताओं की भीड़ को देखते हुए अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था भी पुख्ता की गई है। मुलायम सिंह के पुत्र अखिलेश अस्पताल में हीं डेरा डाले हुए हैं।

तेजस्वी बन सकते हैं आरजेडी के पहले कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष!

» लालू यादव कर रहे विचार, राष्ट्रीय अधिवेशन में हो सकती है घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के पहले कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकते हैं। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव इस पर विचार कर रहे हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि आरजेडी की दिल्ली में होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन में इसकी घोषणा की जा सकती है। हालांकि, अभी तक पार्टी की ओर से आधिकारिक रूप से इस बारे में कुछ नहीं कहा गया है। लेकिन, ऐसा हुआ तो तेजस्वी पूरी तरह लालू यादव के राजनीतिक वारिस बन जाएंगे।

कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक लालू अपने छोटे बेटे तेजस्वी यादव के लिए पार्टी में

नया पद बना सकते हैं। उन्हें कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने पर विचार चल रहा है। अगर ऐसा होता है तो आरजेडी के 25 सालों के इतिहास में पहली बार कोई कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाएगा। तेजस्वी आधिकारिक तौर पर लालू के बाद पार्टी में दूसरे नंबर पर आ जाएंगे और संगठन में उनकी पकड़ और मजबूत हो जाएगी। बता दें कि आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव फिलहाल बीमार चल रहे हैं। उनकी किडनी, हार्ट समेत कई शिकायतें हैं।

तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाने पर नजर

दूसरी ओर लालू यादव अपने छोटे बेटे तेजस्वी को बिहार का मुख्यमंत्री बनाने की कवायद में जुटे हैं। नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू से गठबंधन कर सत्ता में आने का मकसद ये ही था कि भविष्य में तेजस्वी के सीएम बनने का रास्ता साफ हो जाए। 2020 के विधानसभा चुनाव में तेजस्वी यादव महागठबंधन की ओर से सीएम पद के दावेदार थे, हालांकि उस समय जीत नहीं मिली थी इसलिए उनका सपना पूरा नहीं हो पाया। अब अटकलें हैं कि लोकसभा चुनाव 2024 में सीएम नीतीश कुमार केंद्र की राजनीति में जाएंगे और बिहार की सत्ता की कमान तेजस्वी के हाथों में आ जाएगी।

शिवसेना का चुनाव चिन्ह हो सकता है फ्रिज!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शिवसेना पर काबिज होने को लेकर शिंदे और उद्धव गुट के बीच लड़ाई थमती नहीं दिख रही। फिलहाल दोनों के बीच नया टकराव पार्टी के चुनाव चिन्ह तीर-धनुष पर अधिकार को लेकर है। इसे लेकर शिंदे गुट पहले ही अपना दावा चुनाव आयोग के सामने ठोंक चुका है। साथ ही राज्य के अंधेरी पूर्व विधानसभा के होने वाले उपचुनाव में उन्हें तीर-धनुष चुनाव चिन्ह आवंटित करने की मांग की है।

हालांकि इस पर कोई फैसला लेने से पहले चुनाव आयोग ने उद्धव गुट को नोटिस जारी किया है। माना जा रहा है कि फिलहाल इस चुनाव चिह्न को फ्रीज किया जा सकता है। महाराष्ट्र की रिक्त हो गई अंधेरी पूर्व विधानसभा के लिए चुनाव आयोग ने उपचुनाव की घोषणा कर दी है। इसके लिए सात अक्टूबर से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जो 14 अक्टूबर तक चलेगी जबकि चुनाव तीन नवंबर को होने हैं। ऐसे में शिंदे गुट ने आयोग से पार्टी का चुनाव चिन्ह आवंटित करने की मांग की है।

यूपी में 11 तक बारिश की चेतावनी

श्रावस्ती में बढ़ सकता है राप्ती का जलस्तर, रेड अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राप्ती बैराज पर स्थिर रहा राप्ती नदी का जलस्तर एक बार पुन: बढ़ने लगा है। कल देर शाम चार बजे राप्ती का जलस्तर फिर बढ़ कर 129.10 मीटर पहुंच गया। इसके चलते जिन गांवों व मार्गों से बाढ़ का पानी कम हो रहा था। वहां एक बार पुन: बाढ़ का पानी बढ़ने लगा है। इतना ही नहीं, मनिकापुर के मजरा रमनगरा में राप्ती की लहरें गांव में तेजी से कटान कर रही है। ऐसे में ग्रामीण अपने घरों को छोड़ कर मार्ग किनारे डेरा जमाए हुए हैं।

जल स्तर बढ़ने के बीच श्रावस्ती प्रशासन ने रेड अलर्ट जारी किया है। राप्ती में रात को पानी बढ़ने की आशंका है। इसके

मद्देनजर प्रशासन ने रेड अलर्ट जारी किया है। प्रशासन द्वारा जारी अलर्ट के अनुसार सभी को सूचित किया जाता है कि नेपाल राष्ट्र के कुसुम बैराज के जलस्तर को देखते हुए राप्ती नदी का जलस्तर रात्रि 12 से 2 बजे के बाद 129.50 से ऊपर जा सकता है इस लिए अभी से सावधानी बरतते हुए राप्ती नदी के निकटवर्ती गांवों को सतर्क रहने का संदेश दिया जाता है। जिला प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाये हुए है। किसी प्रकार की कोई लापरवाही न बरती जाए। इससे पहले बीते 24 घंटे से नदी अपने उच्चतम जलस्तर 129.00 मीटर पर बह रही थी। यह खतरे के निशान से 130 सेंटीमीटर ऊपर था। राप्ती की धारा भी शुक्रवार को बदलती हुई देखी गई। पानी का दबाव मूल नदी के साथ-साथ लक्ष्मननगर की ओर है। जिसके चलते फोरलेन में दरार देखी जा रही है। कई स्थानों पर पानी फोरेलेन के ऊपर तक आ गया है तो कई स्थानों पर आवागमन बाधित है। एनडीआरएफ व फ्लड पीएसी बाढ़ पीड़ितों तक मदद पहुंचाने की कोशिश कर रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।